JP7 पत्रिका

वार बुधवार दीनांक 18/8 2006

टीसलट गुमी

17/8 2006 को 2 बजे उदय सामुदायक पाठशला मे पायल की टीसलट गुमी और पायी नहीं

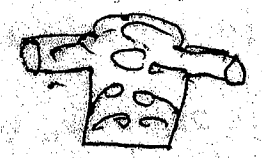

लोकेश

बुखार चढ़ा

17/8 2006 को 4 बजे अटल को बुखार चढ़ा और मीठालाल ने गोली दी और ठीक हो गय और सुबह वापिस चढ़ आया

माया

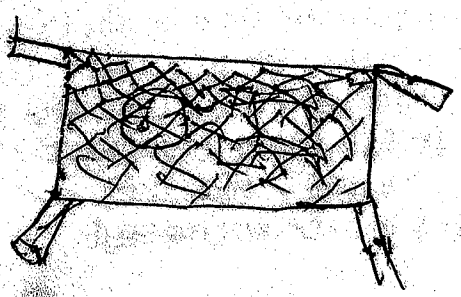

बिच्छू निकला

17/8 2006 को 5 बजे बिच्छू निकला धर्मराज कातल न को उठा रहा था तो बिच्छू निकल आया और राजेश धर्मराज पंकज तिनो ने मार डाला

धर्मराज

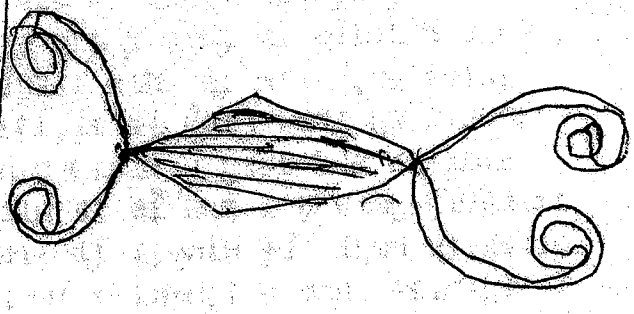

बुखार चढ़ा

16/8 2006 को रात के 12 बजे नरेश को बुखार चढ़ा और मीट जाता है और वापिस चढ़ा आता है कैलाश दवाई लेने गया

धर्मराज

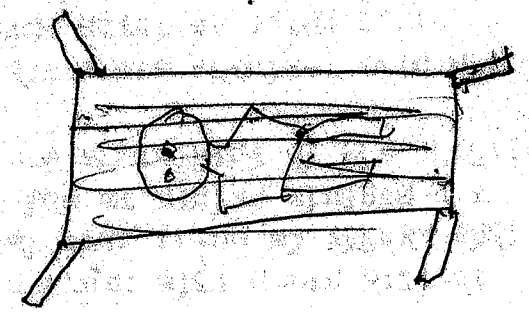

पेट दर्द करा

17/8 2006 को रात 12 बजे माया का का पेट दर्द करा और सुबह ठीक नहीं हुआ

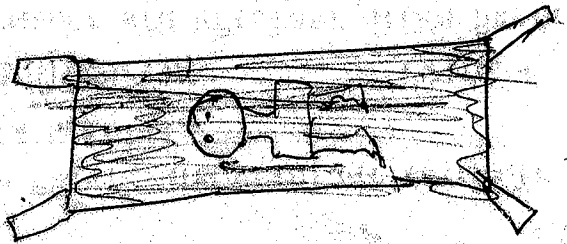

वार बुधवार

दीनाक 23/

माथा फूटा

22/8/2006 को 10 बजे सोनू का माथा फूटा क्योकी पिन्टू ने सोनू के सलेट कि मार दी थी इसलिए खून निकलने लग गया फीर निमा ने पिन्टू के मारदी।

~~फूटी~~ विकाश

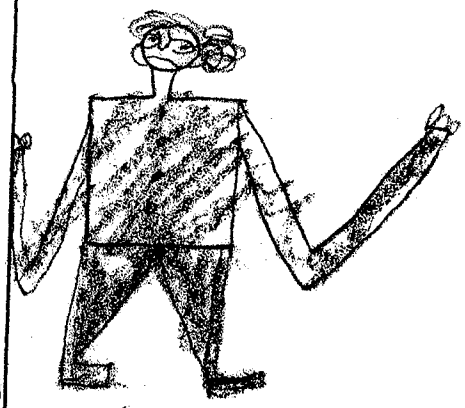

बुखार चड़ा

2/8/2006 को 4 बजे बंजलाल को बुखार चड़ा क्योकी रात मे जागेणे मे चला गया था इसलिए बुखार चड़ा

दीनेश

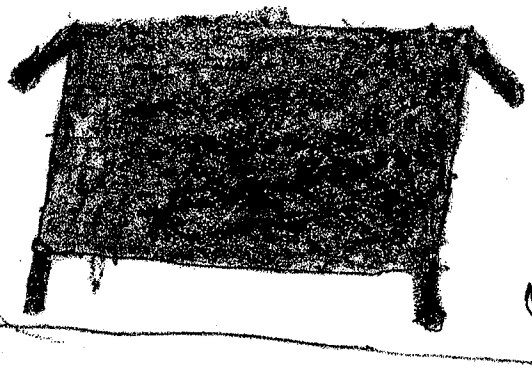

बिच्छू निकला

22/8/2006 को 7 बजे लोकेश को बिच्छू खाया क्योकी वह खुतल्या उतार रहा था। तो बिच्छू खा गया फीर हारोदा ले गये पर ठीक नहीं ~~हुई~~ हुआ

विक्रम

लड़ाई हुई

2/8/2006 को 2 बजे मीरी प्रमीला के लड़ाई हुई तो फीर प्रमीला बिलि मिली रोने लग गई

प्रमीला

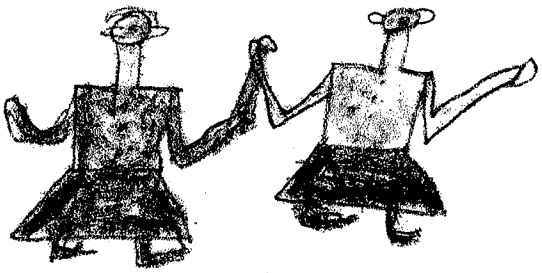

दाथाली घुमी

21/8/2006 को 2 बजे दाथाली घुमी चिरंजि कि घुमी फीर 22/8/2006 को चाई ~~नेत्~~ नेत्र ने और अगुरी ने घुमाई

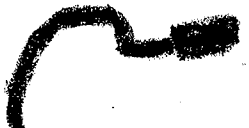

उदय पत्रिका

दिनांक 1-9-2006 वार शुक्रवार

चोर आया

30-8-2006 बुधवार को 12 बजे रातको जगमपुरा गांव मे चोर आया हैन्डु पम्प के पास पहुंच गया तो कैलाश और विनोद को दिखा था तो चोर से पुछा की तु कहां का रहने वाला है। तो चोर ने उसकी बात नही मानी तो वह चोर गांव के अंदर जाने लगा तो कैलाश ने उसको नही जाने दिया तो पप्पु के घर के पास उसको धाडु आए और कैलाश आगया तो चोर छुप -2 कर आगया फिर महेन्द्र के घर के पास खड़ा रहगया। तो जरी

देख लिया तो चोर राजेश के घर के के अंदर चला गया रस्सीयों को पता चल गया तो राजेश के कमरे के के अंदर चला गया। तो रस्सी कश चिल्लाने लग गया तो वह चोर निकल कर रमेश की ज्वार के अन्दर चला गया। तो राजेश का पापा आया। तो पुरे आदमी आ गये तो जीतु का बड़ा ने उसके करवाडी की मारी होती जरी ने पिसायी ने उसको मारा कि नहीं कि तो राजेश का पापा आगया तो राजेश का पापा ने उसके पिछे से उसके एक लात मारी तो वह नीचा होगया तो मनु के पापा ने कहा की इसको पेड के बाद दो। तो मनु के पापा की बात नही मानी तो

उदय - पारीक

दिनांक 1-9-2006 वार शुक्रवार

पिताजी को जाच पड गया तो मनराज ने पिताजी ने कहा की मै अभी ट्रेक्टर लेकर आरहा हुं तो उसने बात नही मानी तो मनराज के पिताजी तलवार लेकर आगया। तो वह चोर भागया तो पुरे आदमी उसके पिछे भागने लगे उसको पकड़ लिया।

आदमियो ने पुछा की तु कहां का रहने वाला है। तो। उसने बताया नही। तो वह आदमी ने जोर से कहा की तु कहा का है। तो चोर रोने लग गया। तो। उसको लेकर आगिए। और उसको ठोकने लग गया की के पिताजी ने कहा

मे मदलाल की होण्डई कार है तो उसको गांव मे लेकर आगये तो पुलिस ने उसके ऊपर साईकिल चढाई होगी। तो उस चोर ने कहा की मै यहां से टैक्सी आगया हुं चोर ने हंसराज मुझे छोड़ दो चोर ने कहा की उसको पानी देगे तो चोर को कार मे बैठाकर ले गया। मदलाल की होण्डई हंसराज को ठोकने लग गये और हंसराज पिछे कार बैठकर स्टार्ट करने लग गया तो चोर ने कार आगे खड़ा दी। तो। उसको तो उसकी कार को तोड़ने लग गये तो हंसराज ने कहा की मत तोड़ो चोर ज्यादा-2 तोड़ने लगा तो चोर ने कहा की ठोको, ~~एक रुपया भी नही देकर~~ चोर की मां ने माफी मारकर 3000 रुपये 4 गाडी